RAJYA SABHA

Wednesday, 29th *May* 1957

The House met at eleven of the clock. MR. CHAIRMAN in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

स्वेज नहर के फिर से खुलने पर भारत और इंगलैंड के बीच चलने वाले सवारी के जलयानों के किरायों में वृद्धि

***१८७. श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि स्वेज नहर में हो कर भारत और इंगलैण्ड के बीच चलने वाले सवारी के जलयानों ने स्वेज नहर के फिर से खुलने पर अपने किरायों में वृद्धि कर दी है; यदि ऐसा है, तो इस वृद्धि के कारण क्या हैं, कितनी कम्पनियों ने ऐसा किया है तथा उन्होंने अपने किरायों में कितनी वृद्धि की है ?

t [INCREASE OF FARES BY PASSENGER SHIPS PLYING BETWEEN INDIA AND U.K. AFTER REOPENING THE SUEZ CANAL

•187. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state whether it is a fact that the passenger ships plying between India and the United Kingdom *via* Suez Canal have increased their fares after the reopening of the Canal; if so, what ,. are the reasons for this increase, how many companies have done so and how much increase has been made by them in their fares?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हुमायूं कबीर) : यह मालूम हुआ है कि स्वेज नहर के फिर से खुलने के बाद तीन जहाजी कम्पनियों अर्थात् पी० एण्ड ओ० (P. and O.) दी अंकर लाइन्स (The Anchor Lines) और दी लायड ट्रीस्टाइनों (The Lloyd Triestins) ने अपने उन जहाजों की भाड़े की मात्रा में वृद्धि कर दी है जो स्वेज के रास्ते भारत और इंगलैंड के बीच चलाये जाते हैं और यह वृद्धि उस भाड़े के स्तर से ऊपर है जो स्वेज के बन्द होने से पहले लिया जाता था। भाड़े में वृद्धि की मात्रा ८ फी सदी से २६ फी सदी बढ़ गई है और इसका कारण परिचालन खर्चों (operational costs) में वृद्धि होना बताया गया है।

+ [THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI HUMAYUN KABIR) : It is understood that the three shipping lines, *viz.,* the P. and O., the Anchor Lines and the Lloyd Triestino, have, after the reopening of the Suez Canal, increased the fare for passages on their vessels plying between India and U.K. *via* Suez Canal, over the level of fares which they were charging before the Suez Canal was closed. The quantum of the increase ranges from 8 per cent, to 26 per cent, and is said to be due to the increase in operational costs.]

श्री नवाब सिंह चौहान: पहले जो स्वेज नहर के बन्द होने पर किराया बढ़ा था वह इस कारण बढ़ा था कि उनको केप आफ गुड होप से होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब जब वह नहर खुल गयी है तो क्यों किराया बढ़ा दिया है ?

श्री हुमायूं कबीर : जैसा मैंने जवाब में बताया, परिचालन खर्च ज्यादा हो गया है इसलिये यह किराया बढ़ा दिया है। तेल का खर्च भी इधर बढ़ गया था क्योंकि फ्यूल की कीमत ज्यादा हो गई, जहाजियों की तनख्वाह ज्यादा हो गई, इंश्योरेंस चार्जेज ज्यादा हो गए, इन सब वजहों से फेयर बढ़ गया है।

<u>مولانا ایم - فاروقی</u> : کیا گورنمنٹ اس بات کی کوشش کر رہی ہے کہ

جو کرایہ پہلے بڑھا تھا وہ کم کر دیا جائے - ان پر کوئی پابندی عاید کی جائے -

†[मौलाना एम० फारूकी : क्या गवर्मेन्ट इस बात की कोशिश कर रही है कि जो किराया पहले बढ़ा था वह कम कर दिया जाय, उन पर कोई पाबन्दी आयद की जाय ?

PROF. HUMAYUN KABIR: There should be no question of any control or any 'pabandi' by the Government of India, because this is done by the international shipping associations. None of these shipping companies are under our control.

مولانا ایم - فاروقی : بہر حال ہماری گورنمنٹ کی بھی کچھ آواز ہے، دخل ہے، اثر و رسوخ ہے، کینال یوزرس ایسوسی ایشن میں - تو جب گورنمنٹ آف انڈیا کی مضبوط آواز ہے پھر وہ کرایہ کم کرنے کے لئے کہہ سکتی ہے -

†[मौलाना एम० फारूकी : बहर हाल हमारी गवर्मेन्ट की भी कुछ आवाज है, दख्ल है, असर व रुसूख है, कैनाल यूजर्ज एसोसिएशन में । तो जब गवर्मेन्ट आफ इंडिया की मजबूत आवाज है फिर वह किराया कम करने के लिये कह सकती है ।]

شری همایوں کبیر : ضرور مضبوط آواز ہے لیکن یہ بھی معلوم ہونا چاہئے کہ جب کیپ آف گڈ ہوپ سے ہو کر جہاز جا رہے تھے اس وقت جو کرایہ تھا اب اس سے کافی کم ہو گیا ہے -

†[श्री हुमायूं कबीर : जरूर मजबूत आवाज है, लेकिन यह भी मालूम होना चाहिये कि जब केप आफ गुड होप से हो कर जहाज जा रहे थे उस वक्त जो किराया था जो अब उससे काफी कम हो गया है ।]

SHRI M. VALIULLA: Were the Government of India consulted before they levied the extra charges?

' SHRI HUMAYUN KABIR: No Governments are consulted when the shipping companies raise their fares.

SHRI M. VALIULLA: Are there any companies which have not raised their rates?

SHRI HUMAYUN KABIR: There are three companies which among them take almost all the passenger traffic from India to U.K. and all the three companies have increased the fares.

SHRI M. GOVINDA REDDY: May I know whether the rise in the charges is commensurate with the rise in the price of fuel and other things, or is it more than the rise in the cost of fuel?

SHRI HUMAYUN KABIR: We do not have the break-up of the actual expenses of different companies; and the extent of increase under each head is not available. Therefore, it is not possible to give an answer.

SHRI AMOLAKH CHAND: May I know, Sir, if Government are taking positive steps to see—because of the distress in the Suez—that this distress on the people of India is done away with?

SHRI HUMAYUN KABIR: There is no special distress on the people of India. It is a distress which has been shared by all the peoples of the world.

tHindi transliteration.

पं० अलगू राय शास्त्री : मैं यह जानना चाहता था कि यह जो ८ परसेंट से २६ परसेंट तक फेयर बढ़ाये गये हैं तो क्या मुख्तलिफ कंपनियों में से किसी ने ८ परसेंट बढ़ाया है तो किसी ने २६ परसेंट और क्या यह किसी माल के ऊपर बढ़ाया है ?

श्री हुमायूं कबीर : माल का सवाल नहीं है, यह पैसेंजर फेयर है । लेकिन उस में भी जो टूरिस्ट क्लास में जायेंगे उनका किराया ज्यादा बढ़ाया नहीं गया है । जो लोग फर्स्ट क्लास में जायेंगे, लगजुरी क्लास में जायेंगे उनके लिये रेट ज्यादा बढ़ा दिया गया है ।

देहली में एक अन्य हवाई अड्डे का निर्माण

*१८८. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री ६ अगस्त, १९५६ को राज्य सभा में मेरे तारांकित प्रश्न संख्या १०४ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि (१) देहली में एक अन्य हवाई अड्डे के निर्माण, तथा (२) नागरिक उड्डयन की उन्नति के लिय पालम हवाई अड्डे के विस्तार के सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

t [CONSTRUCTION OF AN ADDITIONAL AERODROME AT DELHI

♦188. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to refer to the reply given to my Starred Question No. 104 in the Rajya Sabha on the 6th August, 1956 and state the progress so far made in respect of (i) the construction of an additional aerodrome at Delhi; and (ii) the expansion of the Palam Airport for the promotion of civil aviation?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य-मंत्री (श्री हुमायूं कबीर) : दिल्ली के अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की जगह तय करने के बारे में अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं किया गया है । पालम के भविष्य के नियंत्रण के बारे में कोई आखिरी फैसला होने तक वहां उन्हीं कामों को हाथ में लिया जा रहा है जो, भारतीय वायु सेना अथवा नागरिक विमान विभाग के प्रतिदिन की जरूरतों के लिये जरूरी है ।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI HUMAYUN KABIR): NO final decision has so far been taken regarding the location of the international airport for Delhi. Pending a firm decision regarding the future control of Palam, only works essential for the day to day requirements of the Indian Air Force or the Civil Aviation Department are now being undertaken.]

श्री नवाब सिंह चौहान : यह कब से बात चल रही है और कब तक इस पर फैसला हो जाने की आशा है ?

श्री हुमायूं कबीर : यह कहना मुश्किल है । बात तो चल रही है १९४७ से । लेकिन उम्मीद है कि इसी साल, शायद जून के महीने तक, कोई आखिरी फैसला हो जायेगा ।

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know whether Palam airport does not conform to the international standard?

SHRI HUMAYUN KABIR: It conforms to some of the standard requirements of ICAO; otherwise, international planes would not be allowed to land there.

दिल्ली के लिए वर्ल्ड मास्टर बसें

*१८९. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के लिये नये प्रकार की जो वर्ल्ड मास्टर बसें खरीदी जा रही हैं, वे किस किस समय कितनी कितनी आयेंगी ;